पहल | आईआईटी कानपुर काम में जुटा, स्टार्टअप्स से आने वाले समय में 10,000 से ज्यादा प्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे

भारत की डीप टेक राजधानी बनेगा यूपी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश को डीप टेक स्टार्टअप में अग्रणी राज्य बनाने के लिए आईआईटी कानपुर जुट गया है। उत्तर प्रदेश को भारत की डीप टेक कैपिटल बनाने के लिए टैलेंट, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप को आधार बनाए बनाया जाएगा। आईआईटी कानपुर पहले से ही गहन वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी नई खोजों पर काम कर नए डीप टेक स्टार्टअप पर काम कर रहा है।

एक सर्वे के अनुसार, 410 पूर्व छात्रों में से 75% यानी 307 पूर्व छात्र स्टार्टअप्स या छात्रों को इस बाबत मार्गदर्शन के लिए तैयार हैं। लगभग 63% (257) उद्योग जगत की समझ और कंसल्टेशन देने में सहयोग करेंगे, जबकि 46% (189) पार्टनरशिप और कोलैबोरेशन को बढ़ावा देंगे। इतना ही नहीं, 21% (87) पूर्व छात्र इंडस्ट्री को लाने के लिए तत्पर हैं और 15% (63) फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट देने को तैयार हैं। यूपी आज तेजी से डीप टेक स्टार्टअप कैपिटल की ओर बढ़ रहा है। 250 से अधिक डीप टेक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी

अनुमान है कि इन स्टार्टअप्स से आने वाले समय में 10,000 से ज्यादा डायरेक्ट रोजगार पैदा होंगे। इससे न केवल युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिलेगा बल्कि स्थानीय टैलेंट को बाहर जाने से रोक कर राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। योगी सरकार का यह विज़न उत्तर प्रदेश को केवल एक उपभोक्ता राज्य से उत्पादक और इनोवेशन-ड्रिवन राज्य बनाने की दिशा में है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़े प्रोजेक्ट्स यहां न केवल प्रयोगशाला तक सीमित रहेंगे, बल्कि उन्हें प्रोडक्ट में बदल कर बाजार तक पहुंचाया जाएगा। यही प्रक्रिया उत्तर प्रदेश को आने वाले समय में भारत का इनोवेशन इंजन बना देगी।